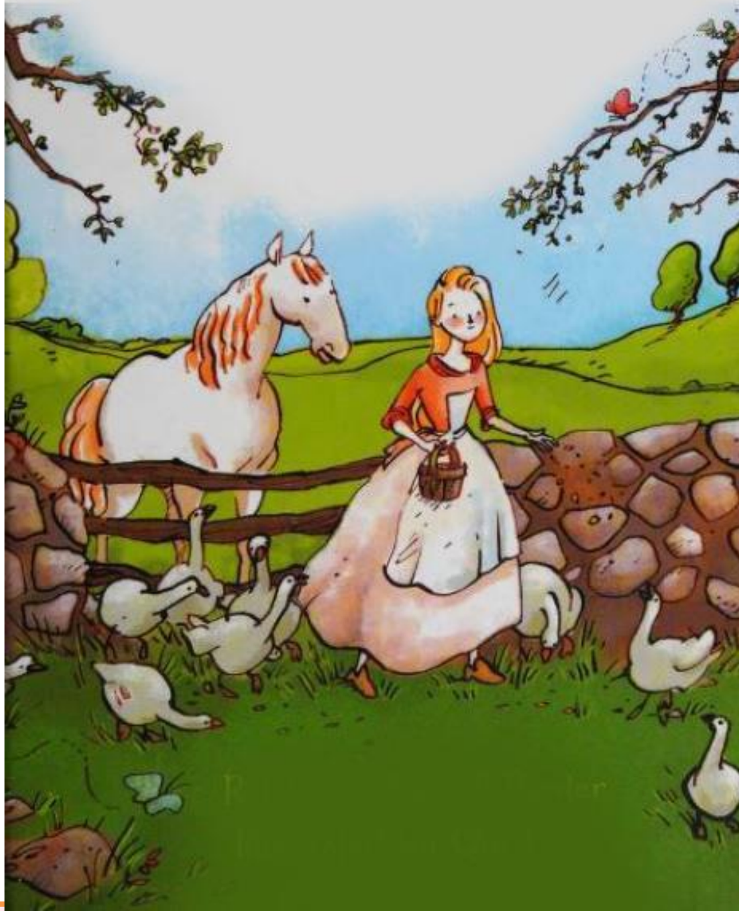
बत्तख वाली लड़की

ब्रदर्स ग्रिम

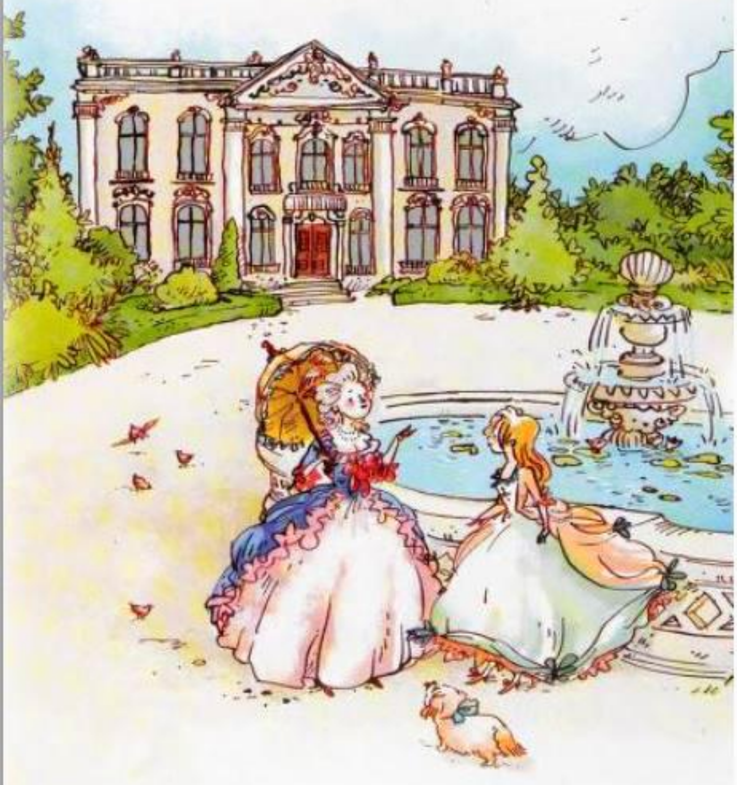


बत्तख वाली लड़की

ब्रदर्स ग्रिम



एक रानी थी, जिसकी एक बेटी
थी जिसका नाम रोज़ था.



राजकुमारी रोज़ लोगों की
काफी मदद करती थी ...

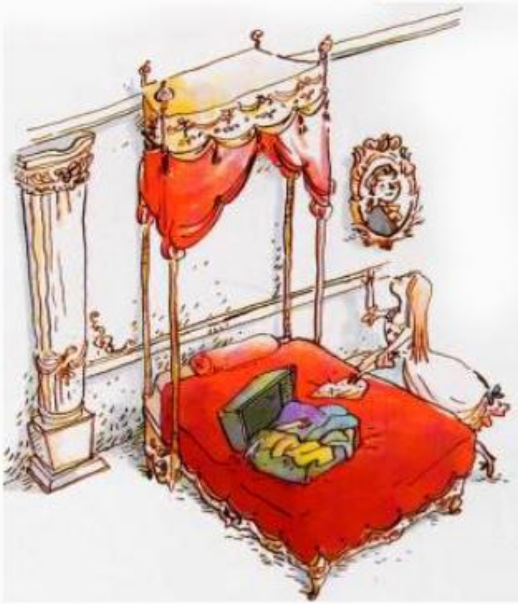


वो दयालु भी थी...



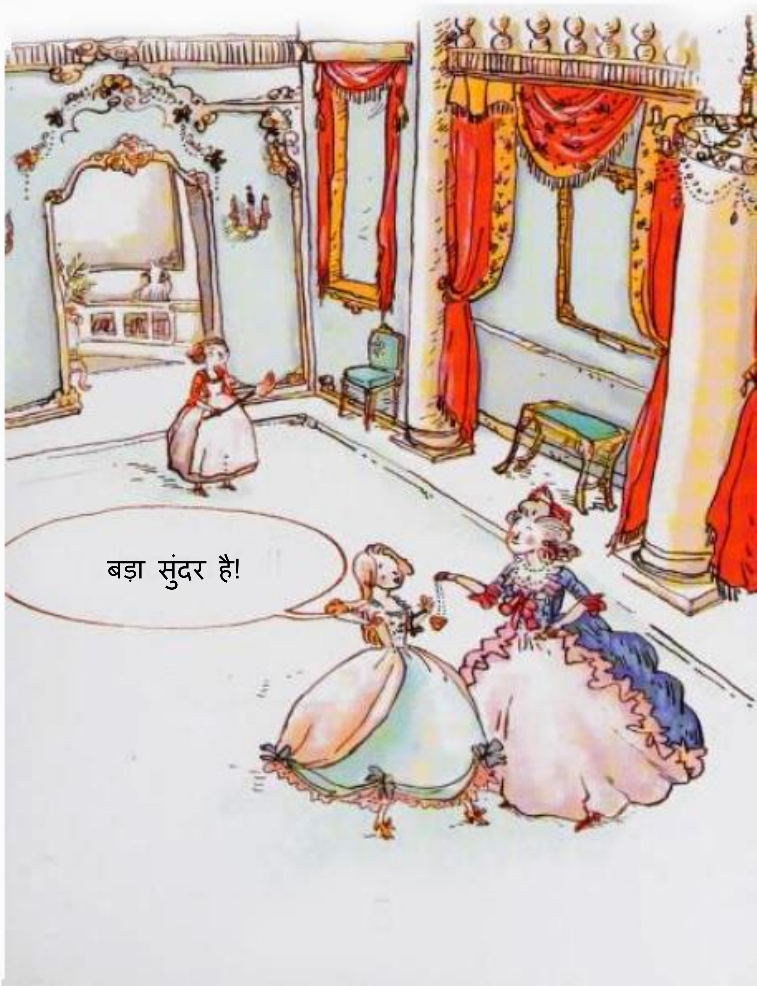
और वो कभी अपना वादा नहीं तोड़ती थी.

रोज़, प्रिंस हैल से शादी के लिए तैयार हो गई. प्रिंस बहुत दूर एक महल में रहता था.



वे कभी मिले भी नहीं थे. आज रोज़ पहली बार उससे मिलने जा रही थी.

रोज़ के जाने से पहले, उसकी माँ ने उसे एक जादुई उपहार दिया.



वो एक गाने वाली लॉकेट था.

जो तुम कर रहे हो वो मैं सब देख सकती हूँ

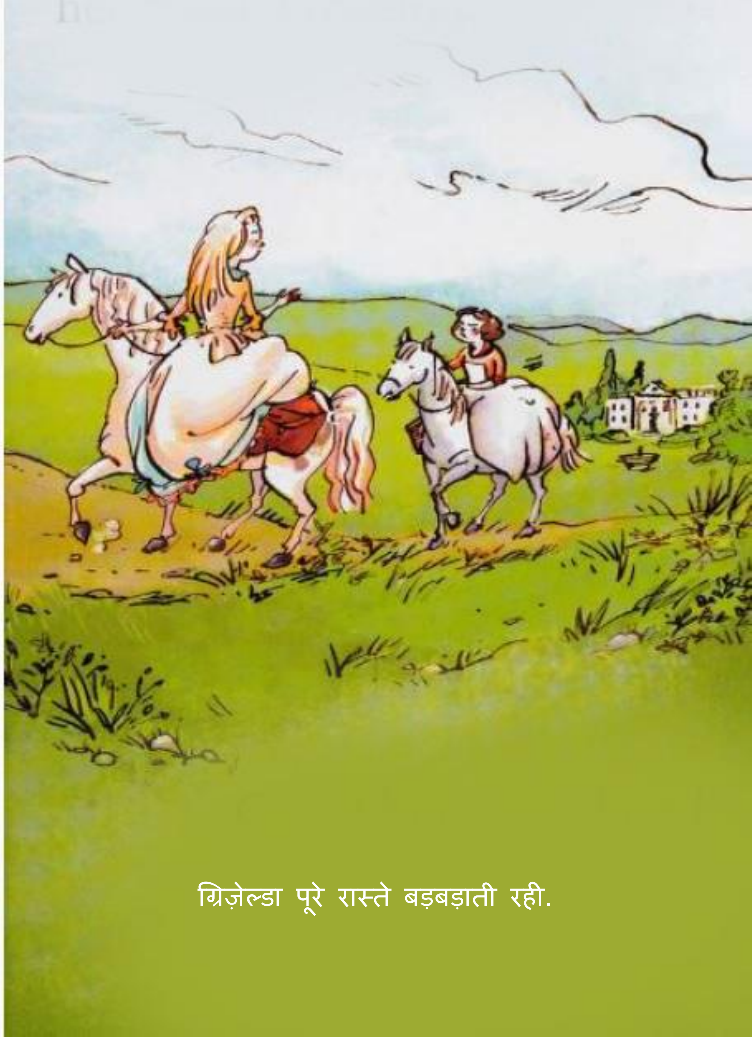
मैं तुम्हारी मित्र बनूंगी.



"वादा करो इस लॉकेट को खोना मत," रानी ने कहा.
"यह लॉकेट तुम्हारी रक्षा करेगा."

"मैं वादा करती हूँ," रोज़ ने कहा.

राजकुमारी रोज़ अपनी नौकरानी
ग्रिजेल्डा के साथ रवाना हुई.



ग्रिज़ेल्डा पूरे रास्ते बड़बड़ाती रही.

"जल्दी करो, मूर्ख घोड़े," वो अपने
घोड़े, डोबिन पर चिल्लाई.



रोज़ अपने घोड़े फलादा के
प्रति बहुत दयालु थी.

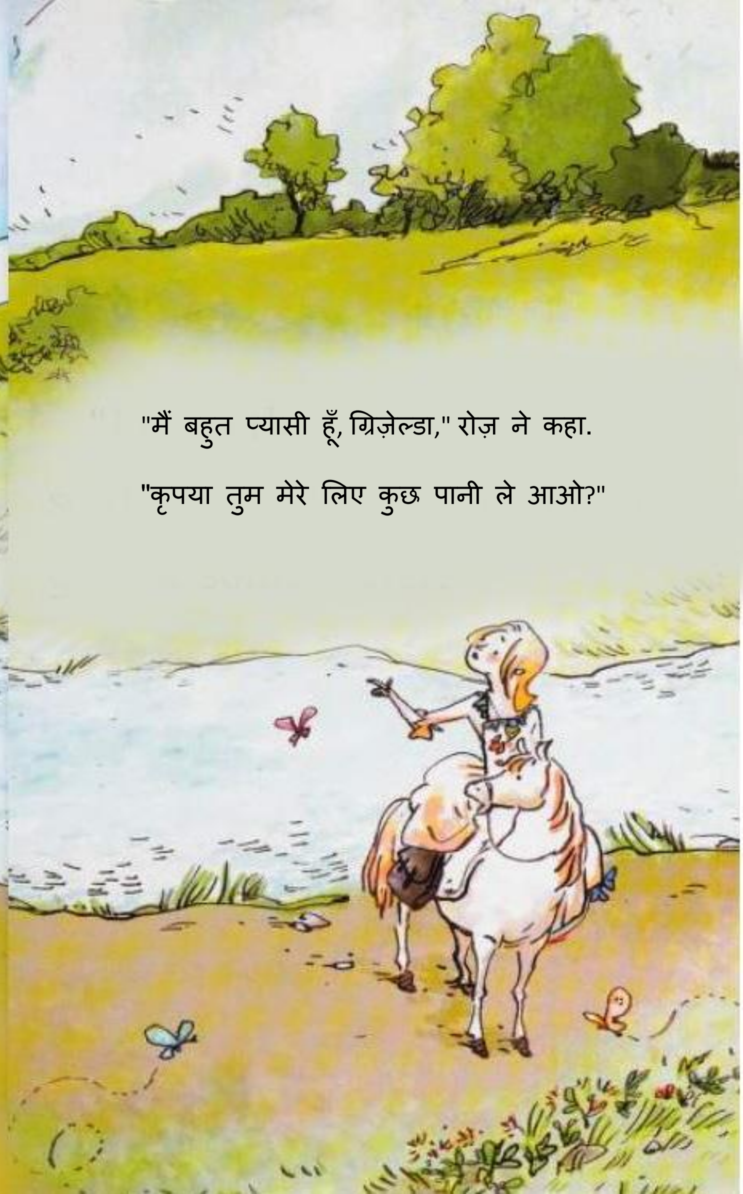
वो दूसरे घोड़ों की तरह नहीं था...



फलादा बात कर सकता था!



प्रिंसेस रोज़ और ग्रिजेल्डा पूरे दिन तेज धूप में घूमती रहीं. अंत में वे एक नदी के पास पहुंची.



"मैं बहुत प्यासी हूँ, ग्रिज़ेल्डा," रोज़ ने कहा.

"कृपया तुम मेरे लिए कुछ पानी ले आओ?"

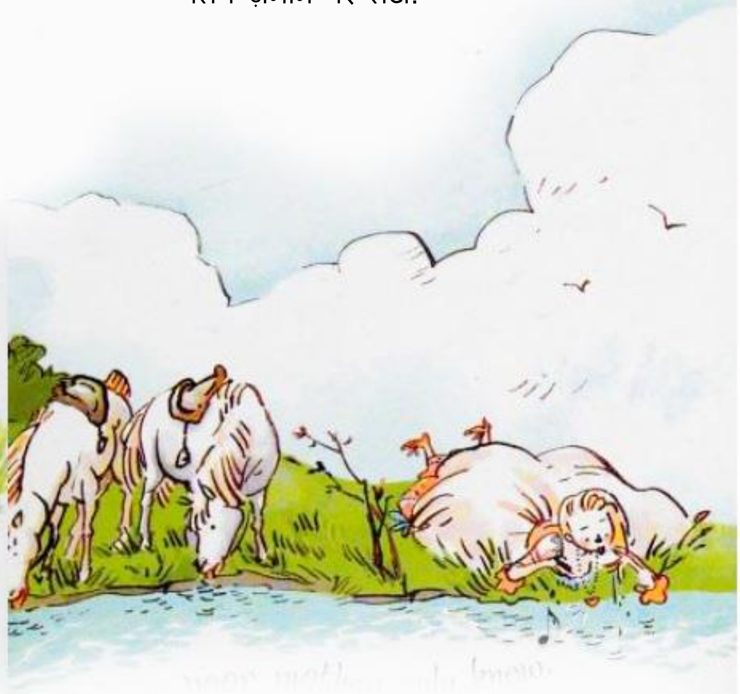
"तुम खुद पानी लाओ!"
ग्रीजेल्डा बदतमीजी से बोली.



लेकिन ग्रीजेल्डा, साथ में कप लाना भूल गई थी.

"मुझे कप के बिना काम चलाना होगा," रोज़ ने सोचा.

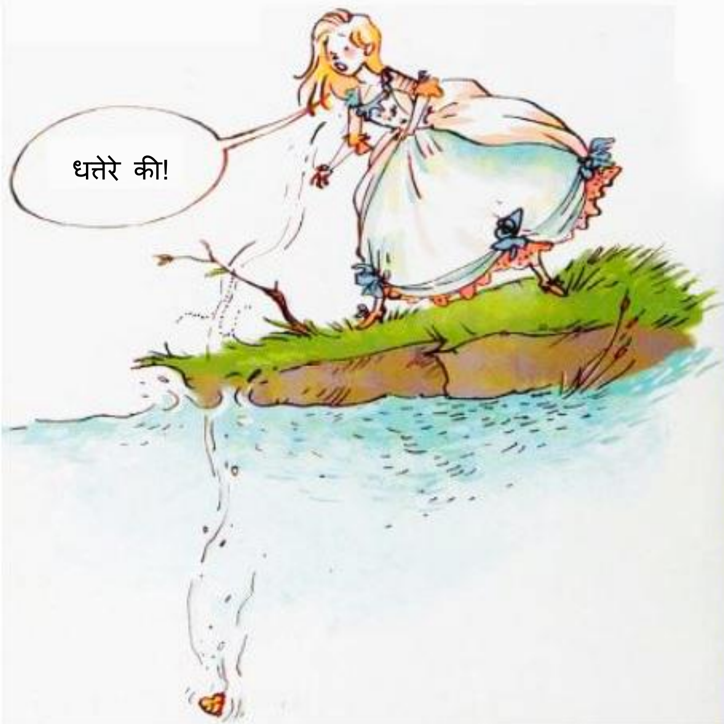
अंत के वो पाने पीने के
लिये ज़मीन पर लेटी.



अगर तुम्हारी बेचारी माँ को ही यह पता लगता

तो उनका दिल दो टुकड़ों में टूट जाता.

जब राजकुमारी रोज़ उठकर खड़ी हुई...



...उसका लॉकेट नदी में

गिर गया और बह गया.

ग्रिजेल्डा ने हंसते हुए कहा, "मैं रानी को बताऊंगी कि तुमने अपना लॉकेट खो दिया है."



"कृपया ऐसा मत करना," रोज़ ने कहा.

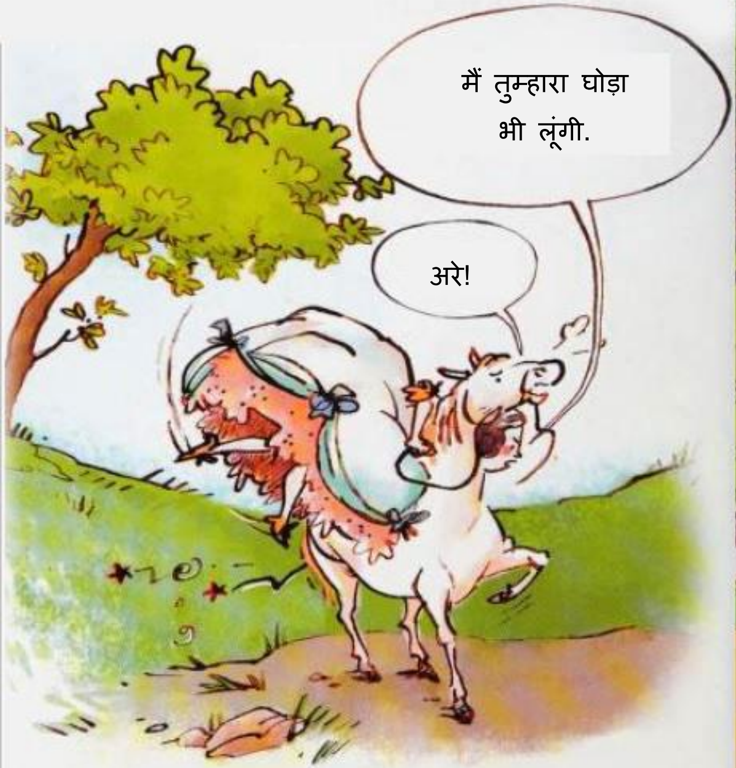
"मैंने लॉकेट की देखभाल करने का वादा किया था."

"ठीक है," ग्रिजेल्डा ने कहा.

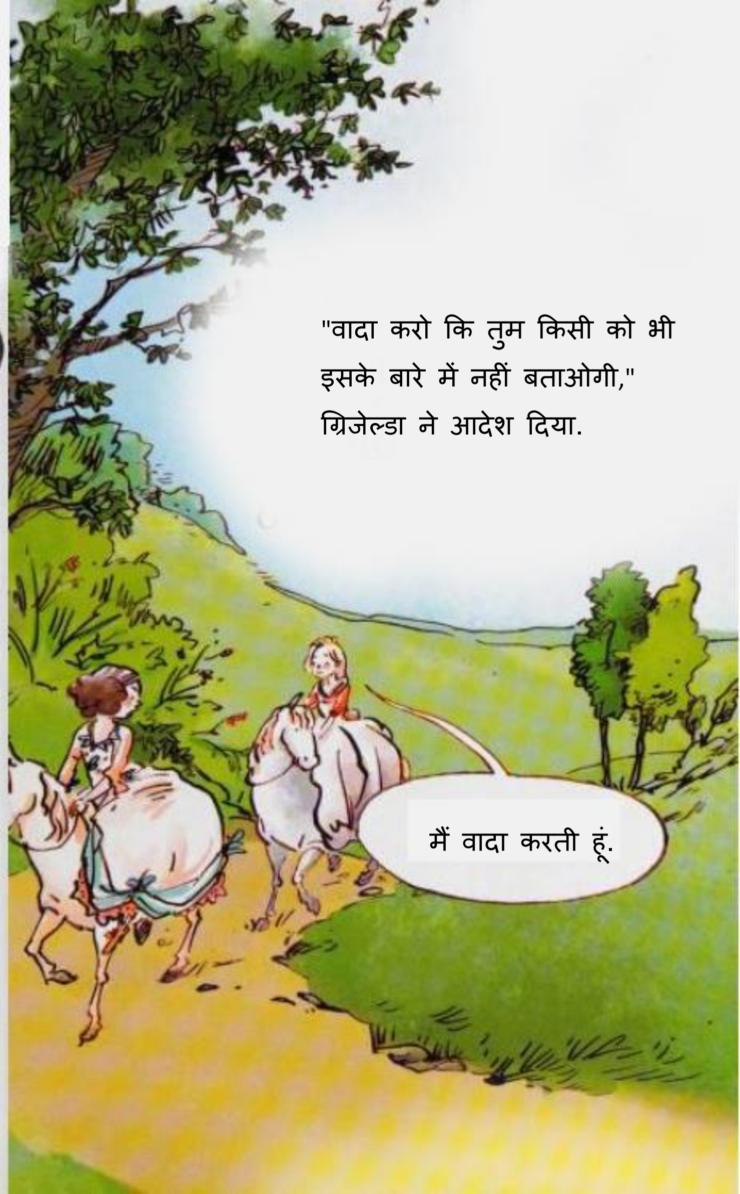
"लेकिन एक शर्त पर. तुम मेरे साथ अपने कपड़े अदला-बदली करो."



इसलिए रोज़ ने अपना सुंदर गाउन ग्रिजेल्डा को दे दिया और उसकी मैली पुरानी ड्रेस खुद पहन ली.



"वादा करो कि तुम किसी को भी इसके बारे में नहीं बताओगी," ग्रिजेल्डा ने आदेश दिया.



कुछ देर बाद वे राजकुमार के महल पहुंचे.
हैल, ग्रिजेल्डा के पास पहुंचा.



"राजकुमारी रोज़?" हैल ने कहा.

"हाँ!" ग्रिजेल्डा ने झूठ बोला.



ग्रेट हॉल में, हैल के पिता, राजा,

रोज़ को देखकर मुस्कुराए.

"और तुम कौन हो?" राजा ने पूछा.

"वो मेरी नौकरानी है," ग्रिजेल्डा
ने एक बार फिर झूठ बोला.

रोज़, राजा को सच्चाई बताना चाहती थी...



लेकिन वो ग्रिज़ेल्डा से किया
अपना वादा नहीं तोड़ सकती थी.

ग्रिजेल्डा ने फलादा घोड़े को
खिड़की से बाहर खड़े देखा.



"वो बातूनी घोड़ा, राजकुमार को मेरी
असलियत बता सकता है," ग्रिजेल्डा ने सोचा.

"मेरा पुराना घोड़ा अब किसी काम का नहीं है."
उसने कहा. "मुझे उससे छुटकारा पाना है, हैल."



"और मेरी आलसी नौकरानी के लिए
कुछ काम खोजो," ग्रिज़ेल्डा ने जोड़ा.



"तुम्हारी नौकरानी, कोनराड की मदद
कर सकती है," राजा ने कहा.

"कोनराड, शाही बत्तखों की देखभाल करता है."



अगली सुबह, रोज़ और कोनराड
बत्तखों को घास के मैदान में ले गए.



रास्ते में रोज़ ने फलादा को
एक खेत में बंधा हुआ देखा.



"बेचारा फलादा," रोज़ रोई.

"बेचारी राजकुमारी," फलादा ने कहा.

कोनराड ने पहले कभी बात
करने वाला घोड़ा नहीं देखा था.



"उसने तुम्हें 'राजकुमारी' क्यों कहा?" कोनराड ने पूछा.

"मैं तुम्हें नहीं बता सकती," रोज़ ने कहा.

घास के मैदान में, रोज़ ने अपने बालों
को खोला और उन्हें ब्रश करना शुरू किया.



कोनराड ने इतने सुंदर सुनहरे
बाल पहले कभी नहीं देखे थे.



कोनराड ने मुट्ठी भर बाल छीनने की कोशिश की.

रोज़ ने जल्दी से एक तुकबंदी कही.

"अब उड़ो, कोमल हवा मैं कहती हूँ.

इस बत्तख वाले लड़के की टोपी को उड़ाओ."



फिर कोनराड को मीलों तक
अपनी टोपी का पीछा करना पड़ा.

जब वो लौटा तो रोज़ ने अपने
बाल पीछे बांध लिए थे.



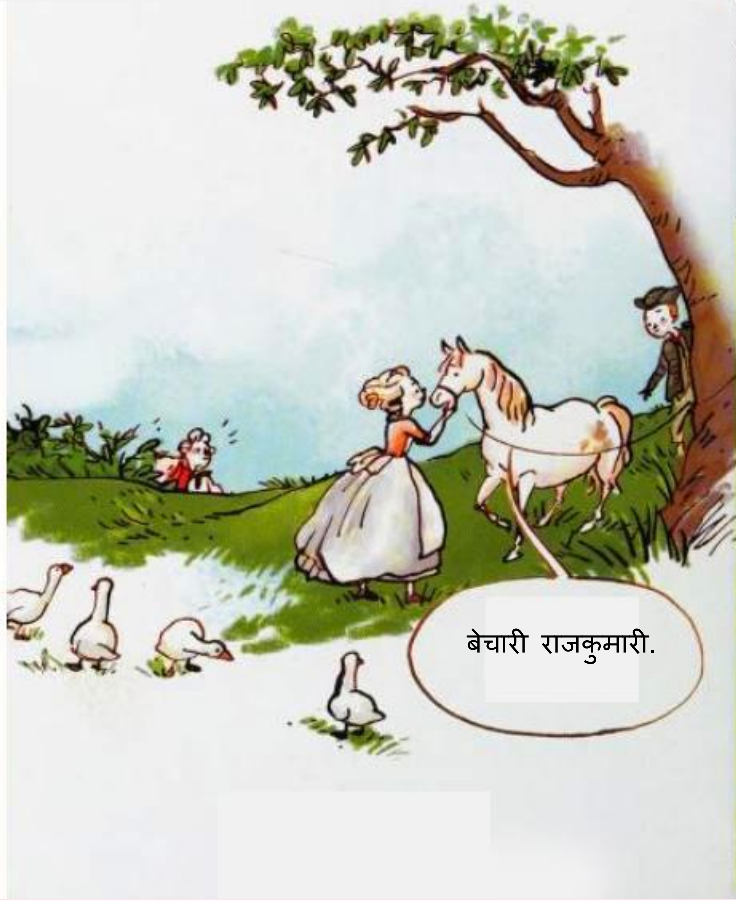
उस शाम कोनराड राजा के पास गया.

"क्या मुझे उस अजीब लड़की के साथ
काम करना ज़रूरी है?" उसने पूछा.

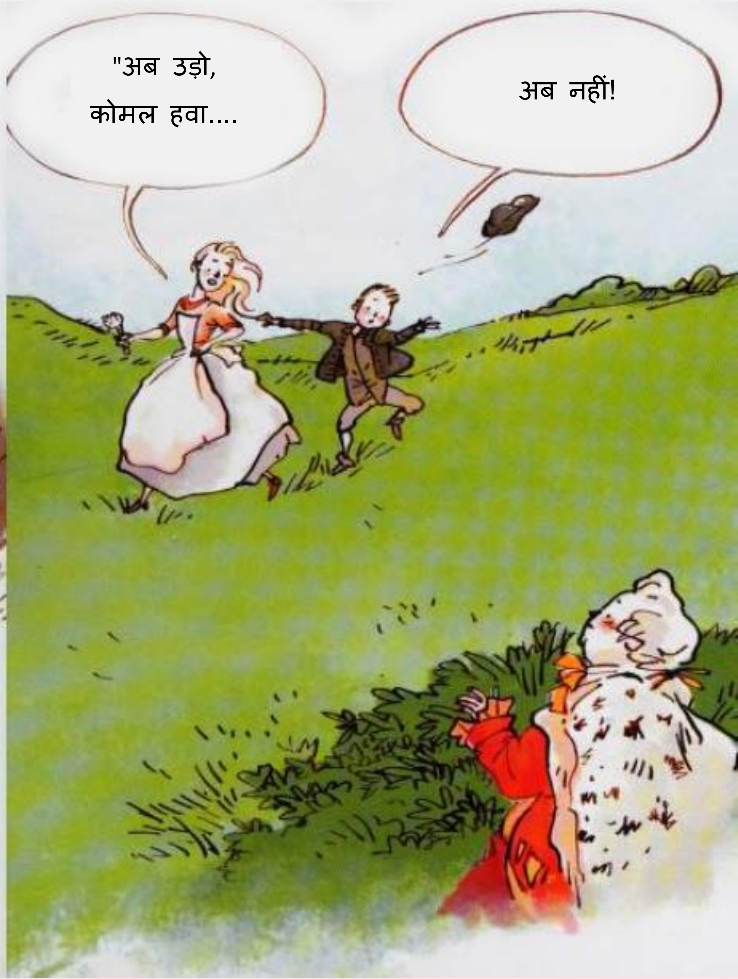


कोनराड ने राजा को घोड़े और
अपनी टोपी के बारे में बताया.

अगले दिन, राजा ने कोनराड और रोज़ का पीछा किया. राजा ने घोड़े की बात सुनी...



...और राजा ने कोनराड की टोपी को उड़ते हुए देखा.



उस शाम राजा ने रोज़ से पूछा,

"क्या तुम सच में एक राजकुमारी हो?"

"अच्छा फिर तुम इस अलमारी
को बता दो," राजा ने कहा.



"मैंने किसी भी जीवित व्यक्ति को यह राज़ नहीं
बताने का वादा किया है," रोज़ ने आह भरी.

रोज़, अलमारी में घुस गई,
और उसने उसे अपनी पूरी कहानी सुनाई.

राजा ने सब कुछ सुन लिया.



जब रोज़ बाहर आई तो राजा उसे महल की नौकरानियों के पास ले गए.

नौकरानियों ने रोज़ को अच्छी तरह से नहलाया...





उसके बाल सँवारे...

...और उसके पहनने के लिए एक सुंदर पोशाक ढूंढी.



उस रात, एक शाही दावत हुई.



राजा ने प्रिंस हैल के बगल में रोज़ को बैठाया.
फिर ग्रिज़ेल्डा अंदर आई.

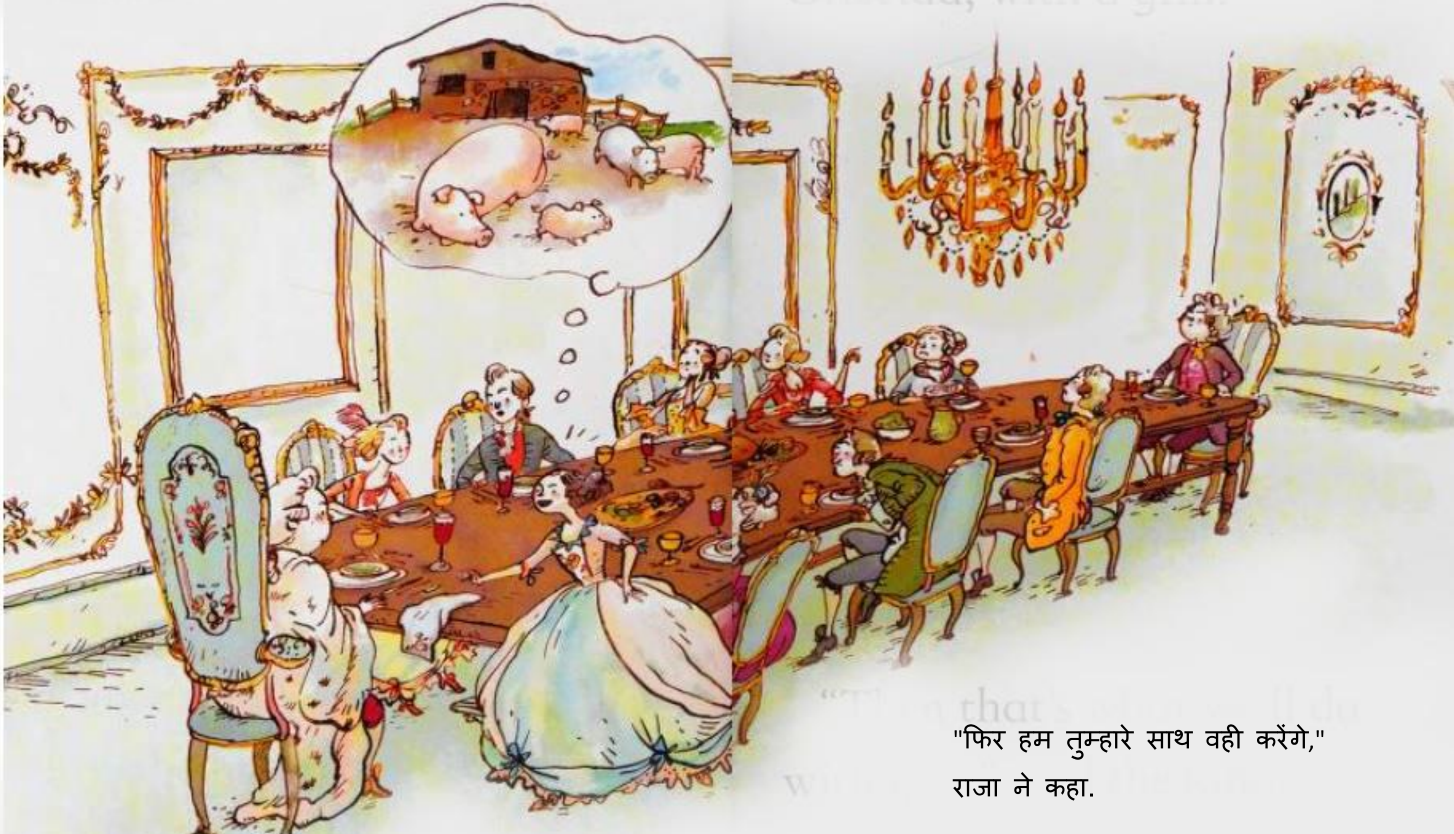
उसने रोज़ को नहीं पहचाना.

"वो कौन है?" ग्रिज़ेल्डा ने पूछा.

"पहले, मुझे तुमसे लिए एक प्रश्न पूछना है,"
राजा ने कहा.

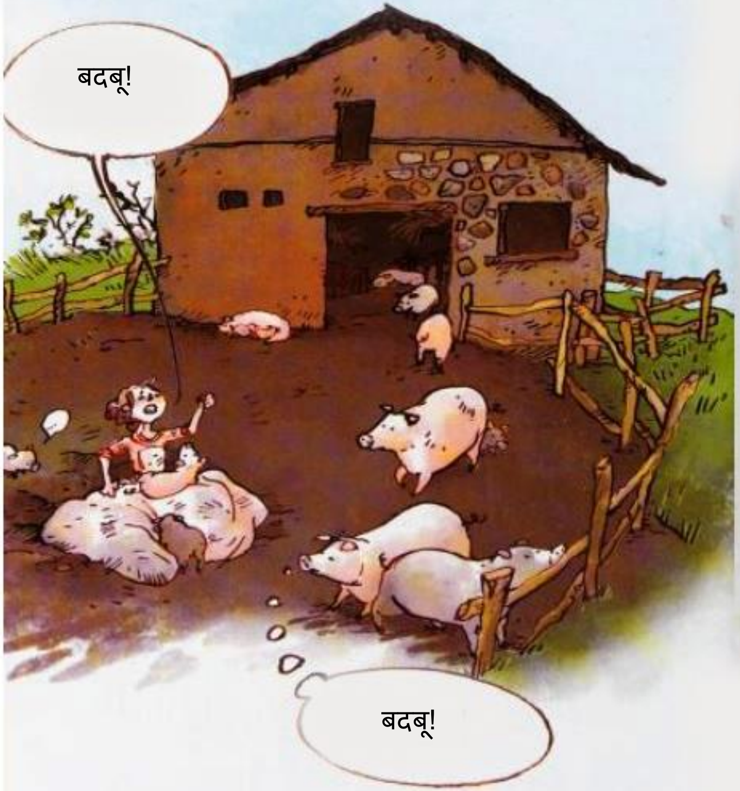
"तुम किसी ऐसे व्यक्ति को क्या सजा दोगी
जो क्रूर, असभ्य और झूठ बोलता हो?"

"हा! मैं उसे एक बदबूदार सूअरों के बाड़े में
डलवा दूंगी," ग्रिजेल्डा ने मुस्कराते हुए कहा.



"फिर हम तुम्हारे साथ वही करेंगे,"
राजा ने कहा.

अंत में ग्रिज़ेल्डा को वही सबक मिला जिसकी वो हकदार थी.



फिर रोज़ ने प्रिंस हैल से शादी की – जैसा कि उसने वादा किया था.



लगभग दो सौ साल पहले दो भाइयों, जैकब और विल्हेम ग्रिम ने "द गूज़ गर्ल" कहानी को पहली बार लिखा था. ग्रिम बंधु जर्मनी में रहते थे और उन्होंने ढेर सारी लोक कथाएँ एकत्रित की थीं.

